

## भारत में गेमिंग के लिए विदेशी निवेश खोलने का समय

मुंबई। ऑल इंडिया गेमिंग फेडरेशन (एआइजीएफ) ने औद्योगिक नीति एवं प्रचार विभाग (डीआइपीपी) द्वारा सात जून को जारी कंसोलिडेटेड फॉरेन डायरेक्ट इंवेस्टमेंट पॉलिसी सर्कुलर (एफडीआई पॉलिसी) को लेकर अपनी चिंताएं जाहिर की हैं। साथ ही नागर विमानन, रक्षा, प्रसारण, खुदरा, फार्मास्युटिकल, सहित अर्थव्यवस्था के विभिन्न क्षेत्रों में एफडीआई को उदार बनाने के लिए एफडीआई नीति में किए गए हालिया बदलावों और कसीनोज आदि सहित गैम्बलिंग, बेटिंग और लॉटरी को लेकर एफडीआई नीति में कोई बदलाव नहीं करने के प्रति भी चिंता उठाई है।

रेलेण्ड लैडर्स, एआइजीएफ के सीईओ ने कहा कि एफडीआई नीति में प्रतिबंधित सूची से गैम्बलिंग, बेटिंग और लॉटरी सेक्टर को हटाया जाना प्रत्येक के हित में है। चूंकि, भारत सभी क्षेत्रों में विदेशी निवेश का स्वागत करने की दिशा में आगे बढ़ रहा है, ऐसे में गेमिंग उद्योग अपवाद नहीं होना चाहिए। गैम्बलिंग को रोकने का ब्रिटेन नजरिया आधुनिक सोच के अनुरूप नहीं है।